631

MARJ-04

December - Examination 2016

M.A.(Previous) Rajasthani Examination

राजस्थानी लोक साहित्य

Paper - MARJ-04

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : औ पेपर तीन खण्डां 'अ', 'ब' अर 'स' में बंट्यौड़ौ है। खण्ड 'अ' में साव छोटा सवाल, खण्ड 'ब' में छोटा सवाल अर खण्ड 'स' में निबंधात्मक सवाल दियौड़ा है।

(खण्ड – अ) **$8 \times 2 = 16$**

निर्देश : इण खण्ड रा सगळा सवालां रा पडूत्तर देवणा जरूरी है। आपरा उत्तर एक सबदा एक वाक्य अथवा अधिकतम 30 सबदां री सींव में हुवणा चाईजै।

1) (i) सबदाकोसां मुजब 'लोक' सबद रा अरथ बतावौ।

(ii) 'धर्मगाथावाडी' सम्प्रदाय रा प्रर्वतक कुण है?

(iii) ''छोगा'' किण नै कैयो जावै?

(iv) ''निहालदे सुलतान'' लोकगाथा रौ नायक कुण है?

(v) 'मन रा लाडु खावणा' मुहावरै रौ अरथ स्पष्ट करौ।

(vi) ''आख्यायिका'' किणनै कैयो जावै?

(vii) किणी दो प्रेमप्रधान लोक कथावां रा नांव लिखौ।

(viii) ''दाढ़ी वाळौ डोकरौ, बिकै बाजार बाजार।
देवां रै माथै चढ़ै, इंरौ करौ विचार।''
इण पहेली में किणरौ वर्णन है?

(खण्ड – ब) **$4 \times 8 = 32$**

निर्देश : इण खण्ड में सूं किणी चार सवालां रा जवाब 200 सबदां री सींव में लिखौ।

2) लोकसाहित्य अर शिष्ट साहित्य रौ अंतर स्पष्ट करौ।

3) लोक साहित्य अर इतिहास रौ सम्बन्ध उजागर करौ।

4) लोकगीतां रौ महत्त्व उजागर करौ।

5) राजस्थानी त्यूंहारा सूं जुड्यौड़ा लोकगीतां माथै संक्षिप्त टिप्पणी लिखौ।

6) वीरताप्रधान ऐतिहासिक लोककथावां माथै जाणकारी देवौ।

7) राजस्थानी लोकगाथावां रा प्रकार समझावौ।

8) राजस्थानी कहावतां रौ वरगीकरण करौ।

9) पहेलियां सूं जुड़ी संक्षिप्त टीप मांडौ।

(खण्ड – स) $2 \times 16 = 32$

निर्देश : इण खण्ड में सूं किणी डो सवालां रा पडूत्तर देवौ। आपरै उत्तर री सींव अधिकतम 500 सबद है।

10) लोकमानस री अवधारणा स्पष्ट करता थकां लोकमानस रा लक्षण समझावौ।

11) राजस्थानी लोकगीतां बाबत सांतरौ आलेख उदाहरणां साथै लिखौ।

12) राजस्थानी लोककथावां रौ वरगीकरण करता थकां प्रेमप्रधान लोककथावां माथै विस्तार सूं समझावौ।

13) राजस्थानी लोकगाथावां रै सरूप नै स्पष्ट करता थकां लोकगाथावां रै प्रकारां रौ विस्तार सूं वर्णन करौ।